Literacy for a Billion

Movie: Baiju Bawra
Year: 1952

Song: Tu Ganga Ki Mouj
Lyricist: Shakeel Badayuni

आ ...
अकेली मत जइयो राधे
जमुना के तीर

हो जी ओ ...

तू गंगा की मौज
मैं जमुना का धारा
तू गंगा की मौज
मैं जमुना का धारा
हो रहेगा मिलन
ये हमारा
ओ ...
हमारा तुम्हारा
रहेगा मिलन
ये हमारा तुम्हारा

अगर तू है सागर
तो मँझधार मैं हूँ
मँझधार मैं हूँ
तेरे दिल की कश्ती का
पतवार मैं हूँ
पतवार मैं हूँ

चलेगी अकेले
न तुमसे ये नैया
न तुमसे ये नैया

मिलेगी ना मंज़िल
तुम्हें बिन खेवैया
तुम्हें बिन खेवैया

चले आओ जी
चले आओ जी
चले आओ
मौजों का लेकर सहारा

हो रहेगा मिलन
ये हमारा तुम्हारा

भला कैसे टूटेंगे
बंधन ये दिल के
बंधन ये दिल के

बिछड़ती नहीं
मौज से मौज मिलके
हो मौज मिलके

छुपोगे भँवर में तो
छुपने न देंगे
तो छुपने ना देंगे

डूबो देंगे नैया
तुम्हें ढूँढ लेंगे
तुम्हें ढूँढ लेंगे

बनाएँगे हम
बनाएँगे हम

Literacy for a Billion

बनाएँगे तूफ़ाँ को
इक दिन किनारा

हो रहेगा मिलन
ये हमारा तुम्हारा

तू गंगा की मौज
मैं जमुना का धारा
तू गंगा की मौज
मैं जमुना का धारा
हो रहेगा मिलन
ये हमारा
ओ ...
हमारा तुम्हारा
रहेगा मिलन
ये हमारा तुम्हारा

हूँ ...
तू गंगा की मौज
मैं जमुना का धारा
हो रहेगा मिलन
ये हमारा
ओ ...
हमारा तुम्हारा
रहेगा मिलन
ये हमारा तुम्हारा

तू गंगा की मौज
मैं जमुना का धारा
तू गंगा की मौज
मैं जमुना का धारा
हो रहेगा मिलन
ये हमारा तुम्हारा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.